www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 83 | जौनपुर, मंगलवार, 10 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अर्धकुंभ में बनेगा भव्य 'गंगा मंडप'

हरिद्वार, एजेंसी। अर्द्ध कुंभ–2027 में आने वाले श्रद्धालुओं को धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भव्य एवं आधुनिक परिसर उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू हो गई है। मेला प्राधिकरण की ओर से करीब 3000 वर्ग मीटर क्षेत्र में गंगा मंडप तैयार कराया जाएगा। इसमें एक साथ लगभग 3000 लोगों के बैठने और खड़े होने की व्यवस्था होगी। संतों के प्रवचन, धार्मिक सभाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सामूहिक कार्यक्रमों के लिए इस मंडप को प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। जनवरी से अप्रैल तक चलने वाले अर्धकुंभ को देखते हुए मेला प्राधिकरण ने इसके निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मंडप की डिजाइनिंग से लेकर निर्माण, साज– सज्जा, बिजली, फर्नीचर, साउंड सिस्टम और पूरे मेला अवधि में रखरखाव की जिम्मेदारी एक चयनित एजेंसी को सौंपी जाएगी। इसके लिए भूमि मेला प्राधिकरण की ओर से उप लब्ध कराई जाएगी। गंगा मंडप का निर्माण जर्मन एल्युमिनियम हैंगर तकनीक से किया जाएगा। इसका न्यूनतम क्षेत्रफल 3000 वर्ग मीटर होगा। मंडप के बीच की ऊंचाई कम से कम 55 फीट और किनारों की ऊंचाई 15 फीट होगी। छत पर तीन परतों वाला अग्निरोधक और वाटरप्रूफ विशेष कपड़ा लगाया जाएगा, जिससे बारिश और तेज हवाओं में भी आयोजन जारी रह सकेंगे। मंडप के भीतर मजबूत प्लेटफार्म बनाकर सजावटी कालीन बिछाई जाएगी और अर्धकुंभ की थीम के अनुरूप साज–सज्जा की जाएगी।

मानसून की सटीक जानकारी के लिए आईआईटी ने खोजा नया तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी। शोध कर्ताओं के मुताबिक किसी जगह बारिश की पहली बूंदें गिरने का मतलब यह नहीं कि वहां मानसून पहुंच गया है। भारत में खेती का बड़ा हिस्सा मानसून पर निर्भर करता है। ऐसे में मानसून के पहुंचने के समय का सही अनुमान किसानों के लिए बेहद जरूरी है। यदि किसी इलाके में स्थानीय बारिश को ही मानसून की शुरुआत मान लिया जाए और किसान बुवाई कर दें, लेकिन उसके बाद बारिश का सिलसिला जारी न रहे, तो फसलों को नुकसान हो सकता है। आईआईटी के अनुसार शोध कर्ताओं ने अपने अध्ययन में 84 वर्षों के बारिश के आंकड़ों का विश्लेषण किया। इसके आधार पर पता चला कि औसतन पूर्वोत्तर भारत में बड़े स्तर पर मानसून की शुरुआत 15 मई के आसपास होती है, जबकि प्रायद्वीपीय भारत में यह समय लगभग 9 जून होता है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि मानसून की शुरुआत के दौरान बारिश से बने सबसे बड़े समूह का आकार अचानक बढ़ता है। इसके बाद यह समूह लगातार भौगोलिक रूप से फैलता है और उत्तर की ओर बढ़ता जाता है।

पीएम मोदी और जेलेंस्की के बीच फोन पर बातचीत, यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान में हर संभव मदद देगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के प्रयासों में भारत की ओर से हर संभव मदद देने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेताओं ने भारत–यूक्रेन संबंधों को और मजबूत बनाने तथा द्विपक्षीय सहयोग के नए अवसरों पर भी चर्चा की। बातचीत के दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस के साथ जारी संघर्ष से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर अपना पक्ष और आकलन प्रधानमंत्री मोदी के साथ साझा किया। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि भारत हमेशा लोगों के हितों और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देने वाला दृष्टिकोण अपनाता रहा है।



उन्होंने कहा कि इस संघर्ष का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए ही निकाला जाना चाहिए। मोदी ने शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में किए जा रहे सभी प्रयासों में भारत की ओर से सहयोग देने की तत्परता जताई। उन्होंने कहा कि भारत शांति स्थापित करने के उद्देश्य से होने वाली कोशिशों में योगदान देने के लिए तैयार है। दोनों नेताओं ने भारत और यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत बनाने के तरीकों पर भी चर्चा की। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में आपसी साझेदारी बढ़ाने और दोनों देशों के नागरिकों के हित में सहयोग को आगे ले जाने पर विचार–विमर्श हुआ। दोनों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत–यूक्रेन संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नए अवसर तलाशने से दोनों देशों के लोगों को लाभ होगा। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई बातचीत की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री से बात की और उन्हें हाल के कूटनीतिक घटनाक्रमों से अवगत कराया। जेलेंस्की के मुताबिक, अबू धाबी में होने वाली बैठक के एजेंडे के सभी मुद्दों पर सक्रिय रूप से तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन हमेशा रचनात्मक और सकारात्मक रुख अपनाता रहा है और अब रूस को भी तनाव कम करने तथा समाधान की दिशा में वैसी ही गंभीरता दिखानी चाहिए।

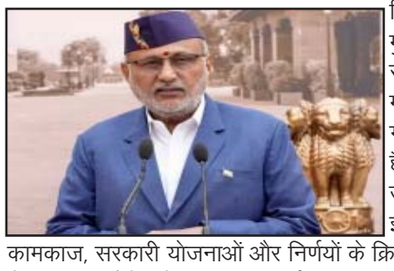
सीएम योगी ने 209 उम्मीदवारों की सूची दिल्ली भेजी

लखनऊ, संवाददाता। यूपी विधानसभा चुनाव के लिए सीएम योगी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। पिछले लोकसभा और एमएलसी चुनाव से सीख लेते हुए भाजपा ने प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया में पहला और बड़ा कदम बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 209 उम्मीदवारों की एक सूची दिल्ली में केंद्रीय आलाकमान को भेज दी है। कहा जा रहा है कि टीम योगी के फीडबैक, आंतरिक सर्वे और गहन मंथन के बाद इस सूची को तैयार किया गया है। 403 विधानसभा सीटों वाले यूपी में बहुमत हासिल करने के लिए 202 सीटों की जरूरत होती है। ऐसे में कहा जा सकता है कि आधे से ज्यादा प्रत्याशियों के नाम लगभग तय हो गए हैं। सीएम योगी की तरफ से इन प्रत्याशियों की जीत का पूरा भरोसा दिलाया गया है। समाजवादी पार्टी चीफ और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। एक लिस्ट शेयर करते हुए कहा है कि लिंक एक्सप्रेसवे के टेंडर कुछ गिनी–चुनी ही कंपनियों को दिया गया है। भाजपा सरकार पैसा खाकर चुपचाप बैठी है। दुनिया को दिखाने के लिए ये टेंडर है। जबकि सारा खेल मेज के अंडर हो रहा है। उधर, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पूर्व प्रमुख एम. नागेश्वर राव की पार्टी सर्वजन सनातन पार्टी उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए संभावित उम्मीदवारों से आवेदन मांगे गए हैं। पार्टी ने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया के पहले चरण की शुरुआत कर दी है।



उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन भुवनेश्वर में विधायकों के क्षमता–निर्माण कार्यक्रम का करेंगे उद्घाटन

भुवनेश्वर, एजेंसी। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री मुकेश महालिंग ने सोमवार को बताया कि भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 16 नवंबर को ओडिशा का दौरा करेंगे। इस दौरान वे भुवनेश्वर में 17वीं ओडिशा विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित एक दिवसीय क्षमता–निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। नीतियां देखें उपराष्ट्रपति के दौरे का स्वागत करते हुए महालिंग ने बताया कि ओडिशा विधानसभा ने उन्हें आमंत्रित किया था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। उपराष्ट्रपति मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता सहित सभी 147 विधायकों को संबोधित करेंगे। ओडिशा के राज्यपाल ब्रज मोहन राम, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, विधानसभा अध्यक्ष सुरामा पाढ़ी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के उद्घाटन सत्र में शामिल होने की उम्मीद है। वे समापन सत्र के दौरान भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए, महालिंग ने कहा कि विधायकों को इस बात का प्रशिक्षण दिया जाएगा कि वे विभिन्न विभागों के कामकाज, सरकारी योजनाओं और निर्णयों के क्रियान्वयन, और कार्यकारी विभागों की कार्यप्रणाली की प्रभावी ढंग से निगरानी कैसे करें। संसदीय कार्य विभाग द्वारा आयोजित इस पहल का उद्देश्य चुने गए प्रतिनिधियों की विधायी क्षमताओं को मजबूत करना है, ताकि वे सदन की कार्यवाही में अधिक प्रभावी ढंग से भाग ले सकें। आगामी बजट सत्र से पहले, विधायकों को बजट चर्चा, विभागीय फंड आवंटन, खर्च, अनुदान, बजट अनुमान और कार्यकारी विभागों के प्रदर्शन की समीक्षा के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह कार्यक्रम बजट पेश करने और विधानसभा में जानकारीपूर्ण, प्रभावी और रचनात्मक बहस को बढ़ावा देने पर भी केंद्रित होगा।



गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद को दी 1,400 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

अहमदाबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद, गुजरात में लगभग 1,400 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एएमसी) के लगभग 1,024 करोड़ रुपए और गुजरात सरकार के रोड एंड बिल्डिंग विभाग तथा भारत सरकार के सहयोग से लगभग 400 करोड़ रुपए के कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गुजरात के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने नशामुक्त भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने 31 दिसंबर, 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है, जबकि गुजरात को इससे एक वर्ष पहले यानी 31 दिसंबर, 2028 तक नशामुक्त बनाने की जिम्मेदारी लेनी होगी। अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2007 में नरेंद्र मोदी ने झुग्गी–झोपड़ियों की जगह पक्के घर उपलब्ध कराने की योजना शुरू की थी, जिसे अब मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल आगे बढ़ा रहे हैं। रामापीर टेकरा के निवासियों को सुंदर फ्लैट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पूरी योजना के धरातल पर उतरने के बाद 55 हजार से अधिक लोगों को एक ही कॉम्प्लेक्स में सामाजिक सुरक्षा, मनोरंजन, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में लगभग एक लाख लोगों को झुग्गी–झोपड़ियों से निकालकर पक्के मकान उपलब्ध कराने की योजना शुरू की गई थी और गुजरात सरकार इसे आगे बढ़ा रही है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि वर्ष 1947 से 1995 तक देश और गुजरात में शासन करने वाली विपक्षी पार्टी ने रामापीर नो टेकरो जैसे क्षेत्रों की कभी चिंता नहीं की। उनके अनुसार, गरीबों ने दशकों तक विपक्षी पार्टी को वोट दिए, लेकिन उन्हें पक्के मकान नहीं मिले। उन्होंने कहा कि वर्ष 1995 में पहला पार्षद चुने जाने के बाद क्षेत्र में बदलाव की शुरुआत हुई और वर्ष 2012 में वह स्वयं यहां से विधायक बने।



हज-2027 के लिए भारत का कोटा 1,75,025 तय, किरेन रिजिजू ने सऊदी अरब में समझौते पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 6 से 9 नवंबर 2026 तक सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा की। इस दौरान भारत और सऊदी अरब ने हज–2027 की तैयारियों की समीक्षा की और भारतीय हज यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुगम तथा आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने पर सहमति जताई। दोनों देशों के बीच हज–2027 के लिए द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर भी किए गए। इसके तहत भारत का हज कोटा 1,75,025 निर्धारित किया गया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव (हज) और हज कमेटी ऑफ इंडिया के सीईओ शामिल रहे। 9 नवंबर 2026 को किरेन रिजिजू ने जेद्दा सुपरडोम में सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री डॉ. तौफीक बिन फवजान अल–रबियाह के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें सऊदी अरब में भारत के राजदूत और संयुक्त सचिव (हज) भी शामिल हुए। बैठक में हज–2027 की तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही, द्विपक्षीय समन्वय और लॉजिस्टिक सहायता को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा हुई। दोनों मंत्रियों ने प्रत्येक भारतीय हज यात्री के लिए सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक के बाद भारत और सऊदी अरब ने जेद्दा में हज–2027 के लिए द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत भारत के लिए हज यात्रियों का कोटा 1,75,025 निर्धारित किया गया। दोनों मंत्रियों ने कहा कि भारत और सऊदी अरब की रणनीतिक साझेदारी लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक संबंधों और दोनों देशों के नागरिकों के बीच मजबूत आपसी रिश्तों पर आधारित है। उन्होंने हज यात्रा को सफल और आरामदायक बनाने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। किरेन रिजिजू ने हज–2026 के सफल आयोजन की सराहना की और सऊदी अरब को भरोसा दिलाया कि हज–2027 को भी सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए भारत पूरा सहयोग देगा।



आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे हादसे के बाद सख्त हुए ब्रजेश पाठक, सड़क सुरक्षा के लिए दिए कड़े निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी में सोमवार की सुबह आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर जीरो माइल के निकट हुए दर्दनाक बस हादसे को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सड़क सुरक्षा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संबंधित विभागों को प्रभावी और ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग, परिवहन आयुक्त, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) तथा प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को पत्र जारी कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के सभी एक्सप्रेसवे पर संचालित वाहनों के लिए निर्धारित गति सीमा का अनिवार्य रूप से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। इसके साथ ही समय–समय पर वाहन चालकों की काउंसलिंग कराई जाए, ताकि उन्हें तेज रफ्तार से होने वाले हादसों और यातायात नियमों के उल्लंघन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा सके। उप मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देशित किया है कि प्रत्येक वाहन चालक का एक्सप्रेसवे पर प्रवेश करने से पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे यह पता लगाया जा सके कि चालक ने किसी भी प्रकार के मादक पदार्थ का सेवन तो नहीं किया है।



लद्दाख में 8 नई स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों के गठन के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू

लद्दाख, एजेंसी। केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में 8 नई लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों (एलएएचडीसी) के चुनाव के लिए आज मंगलवार को अधिसूचना जारी की गई। यह अधिसूचना लेह स्थित केंद्रशासित प्रदेश सचिवालय के राजस्व विभाग द्वारा जारी की गई और 'द लद्दाख गजट' के विशेष अंक में प्रकाशित की गई। अधिसूचना के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 3 सितंबर 2026 की एस.ओ. संख्या 259 और 16 अक्टूबर 2026 की एस.ओ. संख्या 285 के तहत आठ नए लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषदों (एलएएचडीसी) का गठन किया गया है। 'लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद अधिनियम, 1997 की धारा 4 की उप–धारा (2) के तहत मिली शक्तियों और 'लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (चुनाव) नियम, 2026' के नियम 4 का उपयोग करते हुए लद्दाख के उपराज्यपाल ने केंद्रशासित प्रदेश की सभी एलएएचडीसी के सभी निर्वाचन क्षेत्रों से नई परिषदों के गठन के लिए सदस्यों को चुनने को कहा है। अधिसूचना में कहा गया है कि चुनाव 1997 के अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार होंगे, जिसमें 'लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (संशोधन) विनियमन, 2026' के तहत किए गए संशोधन और इसके अंतर्गत बने नियमों व आदेशों को भी शामिल किया गया है। यह अधिसूचना आधिकारिक गजट में प्रकाशित होने की तारीख से लागू हो गई है। 'लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (संशोधन) विनियमन, 2026' लागू होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने आठ एलएएचडीसी स्थापित की हैं।



आईएनएस चिल्का में होगी अग्निवीरों की पासिंग आउट परेड, 3,300 से अधिक प्रशिक्षु होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना के प्रमुख प्रारंभिक प्रशिक्षण संस्थान आईएनएस चिल्का में 13 नवंबर को नौसेना के अग्निवीरों और भारतीय तटरक्षक बल के नाविकों के नौवें बैच की पासिंग आउट परेड आयोजित की जाएगी। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन समारोह में मुख्य अतिथि और निरीक्षण अधिकारी होंगे। इस परेड के साथ 3,300 से अधिक प्रशिक्षु अपना 16 सप्ताह का प्रारंभिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। यह आईएनएस चिल्का से प्रशिक्षण प्राप्त कर उत्तीर्ण होने वाला अब तक का सबसे बड़ा बैच होगा। पासिंग आउट परेड एक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन का प्रतीक होगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा प्रशिक्षुओं को अनुशासित, शारीरिक रूप से सक्षम, मानसिक रूप से दृढ़ और पेशेवर रूप से दक्ष समुद्री योद्धाओं के रूप में तैयार करना है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शैक्षणिक अध्ययन, शारीरिक अभ्यास, तैराकी, परेड प्रशिक्षण, बाहरी गतिविधियों और शिविरों को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य प्रशिक्षुओं को उनके पेशेवर जीवन की शुरुआत के लिए मजबूत और समग्र आधार प्रदान करना है। प्रशिक्षण के दौरान चरित्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, आपसी सौहार्द और टीम भावना विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया जाता है। इसके साथ ही प्रशिक्षुओं में नौसेना के मूल मूल्यों कर्तव्य, सम्मान और साहस की भावना को मजबूत किया जाता है। पासिंग आउट परेड प्रशिक्षुओं के लिए गर्व और उपलब्धि का विशेष अवसर होगी। उनके परिवारजन इस समारोह में प्रशिक्षण की सफल पूर्णता और नए पेशेवर जीवन की शुरुआत के साक्षी बनेंगे। समारोह में नौसेना के पूर्व सैनिक और विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना करेंगे। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन और प्रशिक्षण में उल्लेखनीय योगदान के लिए मेधावी प्रशिक्षुओं, चौंपियन डिवीजन और सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। समारोह के दौरान प्रशिक्षुओं की द्विभाषी पत्रिका 'अंकुर' का विमोचन भी किया जाएगा।



संपादकीय

लाचारी जैसी स्थिति

इस सदी में भारतीय मध्य वर्ग के विस्तार और उसे सहारा दिए रहने का प्रमुख स्रोत टेक सेक्टर रहा है। वहां अवसर सिकुड़ने और उस स्रोत से आमदनी में गिरावट का सीधा असर उपभोक्ता बाजार पर पड़ेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह खबर चिंताजनक है कि इस वर्ष सूचना तकनीक क्षेत्र में कर्मचारियों की वेतन वृद्धि (अप्रेजल) निराशाजनक रही है। टेक पेशेवरकर्मियों के ऐप ब्लाइंड के सर्वे से सामने आया है कि 35 प्रतिशत कर्मचारियों को या तो कोई वेतन वृद्धि नहीं मिली, या वेतन कटौती का सामना करना पड़ा। इसमें 30 प्रतिशत के वेतन में शून्य बढ़ोतरी हुई, जबकि पांच प्रतिशत की सैलरी घटी। यह सर्वे 2,178 टेक प्रोफेशनल्स को शामिल करते हुए किया गया। इससे सामने आई स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि एक से पांच प्रतिशत की मामूली वृद्धि को जोड़ लें, तो कुल 59 प्रतिशत कर्मचारियों की वेतन वृद्धि पांच प्रतिशत या उससे कम रही। 2025 में ऐसे कर्मचारियों की संख्या सिर्फ 34 प्रतिशत थी। जानकारों के मुताबिक इसका कारण कर्मचारियों का खराब प्रदर्शन नहीं है। बल्कि सर्वे के दौरान 41 प्रतिशत लोगों ने कंपनी की खराब वित्तीय हालत या लागत में कटौती को कारण बताया, जबकि 18 प्रतिशत ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और ऑटोमेशन को जिम्मेदार माना। एआई की लागत सबसे बड़ा फैक्टर बनकर उभरी है। कई कंपनियों ने बढ़ते एआई और सर्वर खर्च के कारण कर्मचारियों की वेतन वृद्धि को फ्रीज कर दिया है। इस घटनाक्रम का असर बेशक कर्मचारियों की संतुष्टि पर पड़ रहा है। ये बात ब्लाइंड सर्वे से भी सामने आई है। इसका असर आने वाले समय में उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है, जिसका एक नतीजा उनकी नौकरी का खतरे में पड़ना होगा। दरअसल, सर्वे के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें अब वेतन वृद्धि से ज्यादा छंटनी का डर सता रहा है। लेकिन बात सिर्फ उन कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगी। इस सदी में भारतीय मध्य वर्ग के निर्माण, विस्तार और उसे सहारा दिए रहने का प्रमुख स्रोत टेक सेक्टर रहा है। वहां अवसर सिकुड़ने और इस स्रोत से होने वाली आमदनी में गिरावट का सीधा असर उपभोक्ता बाजार पर पड़ेगा, जिससे पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। इस आशंका को लेकर काफी समय से चेतावनी दी जाती रही है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसके बावजूद लाचारी जैसी स्थिति बनी हुई है।

मंगल-चांद पर कदम, त्योहारों पर घर पहुंचना किसी इम्तिहान से नहीं कम

अभिनय

परदेस में पसीना बहाते हर इंसान के लिए साल के 365 दिन एक तरफ... और दीवाली–छठ के वो चार दिन एक तरफ। सीने में धड़कता हुआ बस एक ही सपना होता है, घर लौटना। दिल की ट्रेन पर घर जाने की तड़प हो और मां–बाप के फोन बज रहे हो कि बेटा घर कब आओगे। लेकिन इस मुल्क में एक आम परदेसी के लिए घर लौटने का रास्ता किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होता। रात के 9रू15 की ट्रेन थी। गोदी में 8 महीने का मासूम बच्चा और साथ में पत्नी। घर से तो यही सोचकर निकले थे कि एक घंटा पहले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुँच जाएंगे तो सुकून से बैठेंगे, लेकिन स्टेशन के बाहर का नजारा देखते ही जैसे पैरों तले जमीन खिसक गई। स्टेशन के मुख्य गेट से लेकर बाहर सड़क तक फैलीं यात्रियों की अनगिनत, कभी न खत्म होने वाली कतारें। दिवाली और छठ का त्योहार सिर पर हो, तो परदेस में कमाने वाले हर बिहारी के दिल में बस एक ही धुन बजती है। घर पहुँचने की इसी बेताबी के बीच जब स्टेशन के बाहर इंसानों का समंदर देखा, तो दिल डूबने लगा। लगा कि महीनों की तपस्या, तत्काल टिकट की वो जद्दोजहद और माँ के हाथ के ठेकुए का स्वाद सब एक पल में बिखर जाएगा। ट्रेन छूटने का खौफ ऐसा था कि एक हाथ से बच्चे को सीने से कसकर भींचे हुए थे और दूसरे हाथ से बार–बार जेब में रखे बटुए को टटोल रहे थे। नजरें घड़ी की सुइयों पर टिक कर रह गई थीं, जो बेरहमी से आगे भाग रही थीं। तभी उस आपाधापी और शोर के बीच लाल कुर्ते वाले एक कुली की आवाज कानों में पड़ी भईया, कितने बजे की गाड़ी है? 9रू15 वाली? भूल जाइए, इस लाइन में खड़े रहे तो ट्रेन छूट जाएगी। 500 रुपये दीजिए, सीधे प्लेटफॉर्म पर उतार देंगे। हमारे पास कोई भारी अटैची या बोरिया–बिस्तर नहीं था जिसे उठाने के लिए कुली की दरकार होती। कंधे पर एक छोटा बैग था और सीने से लगा वो नन्हा सा बच्चा। लेकिन उस वक्त 500 रुपये सामान ढोने के नहीं, बल्कि उस बूढ़ी माँ की उम्मीदों को जिंदा रखने की कीमत थी जो दरवाजे पर आँखें बिछाए बैठी थी। महीनों पहले कंफर्म कराए टिकट और साल भर के इंतजार के सामने वो 500 रुपये बहुत छोटे लगे। हमने हामी भर दी। वो कुली हमें भीड़ से काटकर, घुमावदार रास्तों और पिछले गेट से होते हुए सीधे प्लेटफॉर्म पर ले आया। ट्रेन सामने खड़ी देख आँखों में एक अजीब सी नमी तैर गई। त्यौहार सबके लिए खुशी नहीं होती और ट्रेन का सफर सबके लिए आरामदायक नहीं होता। रेलवे स्टेशन पर उमड़ती भीड़, ट्रेन में चढ़ने की मारामारी और सीट पाने की कोशिश यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा देती हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे ही कई वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें रेलवे स्टेशन पर दिखाई दे रही भीड़ को देखकर कोई भी हैरान हो जाएगा। हर साल की तरह इस साल भी दिवाली के मौके पर यूपी बिहार की तरफ जाने वाली ट्रेनों जनरल डिब्बे में लोगों के लिए सफर करना मुश्किल साबित हो रहा है। जैसे जैसे दीवाली और छठ नजदीक आ रहा है, स्टेशन और ट्रेनों में भीड़ बढ़ती जा रही है। इंडियन रेलवे ने दिल्ली एनसीआर में आने वाले छह बड़े रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री पर 14 नवंबर तक रोक लगा दी है,जिससे की भीड़ को कंट्रोल किया जा सके। वैसे तो भारत उन चुनिंदा विकसित देशों में से एक है जिसने चांद पर अपना यान पहुंचाया है। भारत ने चांद और मार्स पर पहुंचने का रास्ता तो खोज लिया है, लेकिन विडंबना देखिए भारत आज भी अपने रहवासियों को त्यौहार और तीज के मौके पर उन्हें घर पर सुरक्षित और आराम से पहुंचाने का रास्ता नहीं खोज पा रहा है। हाईटेक टेक्नोलॉजी के दौर में भारत ने अभी तक ऐसी कोई टेक्नोलॉजी विकसित नहीं की है, जिसके बदौलत देश के आम नागरिकों को एक कंफर्म टिकट मिल जाए या फिर एक डिग्निटी के साथ वो जनरल बागी में भी एक सीट पर बैठकर सफर कर सके। यह सवाल इसलिए उठता है क्योंकि हमारे देश में जब–जब कोई परदेसी दिवाली या छठ पर अपने घर जाने की सोचता है, तो उसे हर कदम पर लाचारी और शोषण का ही सामना करना पड़ता है। यह कोई नई बात नहीं है। आपमें से भी शायद ही कोई ऐसा होगा जिसने कभी घर जाने के लिए टिकट देखा हो और लंबी वेटिंग लिस्ट देखकर दिल न बैठा हो, या फिर फ्लाइट और बसों के आसमान छूते किराए देखकर जेब ने जवाब न दे दिया हो। खासकर यूपी और बिहार की तरफ जाने वाले लोग तो बरसों से यही रोना रो रहे हैं कि भाई, ट्रेन में सीट मिलना तो दूर, खड़े होने की जगह नहीं मिलती और फ्लाइट का किराया ऐसा हो जाता है मानो विदेश का टिकट कटा रहे हों। जबकि सच यह है कि दिवाली और छठ की तारीखें पंचांग में साल भर पहले से छपी होती हैं। सबको पता होता है कि किस दिन त्योहार है। ट्रेनों के टिकट भी दो–चार महीने पहले खुल जाते हैं। तो फिर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारे देश के रेलवे सिस्टम को यह अंदाजा नहीं होता कि इन रूटों पर कितने लाख लोग अपने घर लौटेंगे? अगर उन्हें पता होता है, तो फिर हर साल स्पेशल ट्रेनों के कागजी ऐलानों के बावजूद ट्रेनों में पैर रखने की जगह क्यों नहीं होती? खड़े होने की जगह की लड़ाई तो ट्रेन आने के बाद शुरू होती है, उससे पहले की असली जंग तो टिकट खिड़की पर लड़ी जाती है। आम



इंसान सुबह 10 और 11 बजे तत्काल टिकट के लिए उंगलियां थामकर बैठता है, और दो मिनट के भीतर सारी सीटें गायब हो जाती हैं। दलाल और अवैध सॉफ्टवेयर वाले पूरे कोटे को मिनटों में हड़प जाते हैं। आखिर आम आदमी और इन दलालों के बीच यह जंग कब खत्म होगी? रेलवे का तंत्र इन अवैध सॉफ्टवेयरों और दलालों के सामने लाचार कब तक बना रहेगा? कब तक एक सीधा–साधा नागरिक अपनी बेबसी पर आंसू बहाता रहेगा? अगर ट्रेन का टिकट न मिले, तो दूसरा रास्ता क्या बचता है? प्राइवेट बसें या फ्लाइट। लेकिन वहां तो खुली लूट मची होती है। सरकार ने आज तक फ्लाइट के डायनामिक फेयर और प्राइवेट बसों की मनमानी वसूली पर कोई लगाम क्यों नहीं लगाई? कोई कैप (अधिकतम सीमा) क्यों तय नहीं की जाती? त्योहार आते ही हर टिकट तीन गुना, चार गुना महंगा क्यों हो जाता है? क्या इस मनमाने मुनाफे और खुले शोषण को रोकने वाला कोई नहीं है? जरा उस इंसान के बारे में सोचिए जो बड़े शहरों में 15,000, 20,000 या 25,000 रुपये महीने की नौकरी करता है। क्या उसे साल भर की मेहनत के बाद सिर्फ एक बार अपने बूढ़े मां–बाप और बच्चों से मिलने के लिए अपनी पूरी एक महीने की कमाई सिर्फ आने–जाने के किराए में फूंक देनी चाहिए? देश इतनी तरक्की कर रहा है, डिजिटल इंडिया और हाई–स्पीड नेटवर्क की बातें करते हैं... लेकिन हकीकत यह है कि जब अपने ही देश में एक आम नागरिक को अपने घर जाने के लिए गिड़गिड़ाना पड़े, अपनी जेब कटवानी पड़े और जानवरों की तरह ठुंसकर सफर करना पड़े, तो फिर तरक्की के सारे दावे खोखले लगने लगते हैं।

वॉशिंगटन में हो गया रिजीम चेंज +5000 का अन्नादुराई स्टाइल दांव भी नहीं बचा सका ट्रंप का तख्त



अभिनय

साल 1967 भारत का मद्रास राज्य जो वर्तमान में तमिलनाडु के नाम से जाना जाता है। प्रदेश में सूखे के कारण अनाज की भारी कमी थी और कीमतें बहुत अधिक थीं। विधानसभा चुनाव अपने चरम पर थे। तभी इस संकट के बीच डीएमके के संस्थापक सी. एन अन्नादुरई ने एक चुनावी नारा दिया– मूंडू पडी लट्टियम, ओरू पडी निचयम। मतलब तीन पडी चावल हमारा लक्ष्य है, लेकिन एक पडी चावल निश्चित रूप से दिया जाएगा। एक रुपये में 3 माप (लगभग 4.5 किलोग्राम) के इस लोक–लुभावन वादे ने जनता को आकर्षित किया और डीएमके ने कांग्रेस को हराकर पहली बार भारी बहुमत से सत्ता हासिल की। ये और बात है कि भले ही अन्नादुरई अपने समय में इसे पूरी तरह लागू नहीं कर पाए, लेकिन उनके इस विचार ने तमिलनाडु की राजनीति में हमेशा के लिए सस्ते अनाज और राशन की नींव रख दी। लगभग छह दशक बाद और आधी दुनिया दूर, चुनावी लोकतंत्र का यह खेल आज भी नहीं बदला है। जब महंगाई और आर्थिक दबाव से जूझते अमेरिकी नागरिकों को रिझाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप हर नागरिक के खाते में +5,000 भेजने जैसा लुभावना दांव चलते हैं, तो यह अन्नादुरई के उसी 1967 वाले प्रयोग की आधुनिक और हाई–टेक पुनरावृत्ति जैसा दिखता है। अमेरिका में जब कभी भी चुनाव होते हैं तो उसके रिजल्ट का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। खासकर की जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हो और मिड टर्म के नतीजे इतने पाथ ब्रेकिंग हो। मतलब जो दशकों में नहीं देखा गया था। जो बाइडेन के जाने के बाद जब ट्रंप की वापसी हो गई तो लगता था कि अमेरिका अब कई दशक तक रेड वेब की ही चपेट में रहेगा। भारत, कनाडा, यूरोप जैसे जो ट्रंप पीड़ित थे, इस बात की भी तैयारी करने लगे थे कि ट्रंप का रिप्लेसमेंट अगर ट्रंप का ही मानस पुत्र या पुत्री निकला तो फिर कहां जाएंगे। लेकिन मिड टर्म में वो फटका पड़ा है कि आने वाले दो साल हिचकोले खाते हुए बीतने वाले हैं। ट्रंप की हरकतों के चलते रिपब्लिकन पार्टी ने सेनेट और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव दोनों जगह अपना बहुमत खो दिया है। डेमोक्रेट्स के पास अब सीनेट में 54 सीटें और हाउस में 228 सीट है। जिन अब्दुल अल सईद को ट्रंप ने जिहादी कह दिया था। कहा था कि मेटल डिटेक्टर से निकलवाऊंगा, अब जेडी वेंस उन्हीं को शपथ दिलवाएंगे। हाउस को हफीम जेफरीज के रूप में पहला ब्लैक स्पीकर भी मिल गया है। गवर्नरशिप के मामले में भी डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिककंस को पछाड़ा है। 28 सूबों में डेमोक्रेट्स के गवर्नर जीते हैं। 2009 के बाद पहली बार डेमोक्रेट्स ने ये रिकॉर्ड तोड़ा है। कम से कम 47 बार ट्रंप ने बयान दिया था कि अमेरिका को ऐसे वोट डालना चाहिए जैसे मैं ही चुनाव लड़ रहा हूं। उन्हें लगा कि इसका फायदा पार्टी को होगा, लेकिन इसका उल्टा ही हो गया। ट्रंप की पिछली दो साल की गलतियों का खामियाजा रिपब्लिकन पार्टी को भुगतना पड़ा। टेक्सस, साउथ कैरोलिना, ट्रांसिस, आयोवा और ओहायो जैसे कट्टर रिपब्लिकन स्टेट्स में ब्लू वेब आ गई है। नेतन्याहू के साथ मिलकर डोनाल्ड ट्रंप ने सोचा था कि ईरान में हम रिजीम चेंज कर लाएंगे और नोबेल प्राइज मिल जाएगा। पूरी दुनिया का नक्शा ही बदल देंगे। लेकिन रिजीम चेंज डोनाल्ड ट्रंप को मिल तो गया वो भी अपने ही देश में मिल गया। रिजीम चेंज से मतलब ऐसा बिल्कुल नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप अपना ऑफिस छोड़कर जा रहे हैं। लेकिन रिजीम चेंज से मतलब ये कि अमेरिकन टर्मनलॉजी में कहे तो एक लेम डक प्रेसिडेंट बनकर ही रहेंगे। डेमोक्रेट्स की आंधी ने ट्रंप के किले को हरा कर रख दिया है। लेकिन इसके बावजूद ट्रंप का अहंकार वो जस का तस है। वो डेमोक्रेट्स के हर नेहले पर दहला फेंकने की तैयारी कर रहे हैं। इसका दावा कर रहे हैं। कई हफ्तों तक ट्रंप अपने समर्थकों से अपील करते रहे कि वे ऐसे वोट करें जैसे राष्ट्रपति पद के लिए खुद ट्रंप खड़े हो। उन्हें उम्मीद थी कि इससे रिपब्लिकन उम्मीदवारों को फायदा होगा। लेकिन जब नतीजे खराब आए तो उन्होंने इस बात को मानने से ही इंकार कर दिया कि मिड टर्म चुनावों का नतीजा उनके खिलाफ जनमत का किसी तरह का कोई संकेत है। आमतौर पर ट्रंप के समर्थन वाले उम्मीदवारों को चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करते देखा गया है। लेकिन इस बार वो वोटरों को अपने पक्ष में करने में नाकाम रहे। टेक्सस के सेनेट चुनाव में पैक्स्टन को हार का सामना करना पड़ा। जबकि ट्रंप ने उनका समर्थन किया था। नॉर्थ कैरोलना के सेनेट चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार रॉय कूपर को हराने के लिए ट्रंप ने माइकल वाटली को चुना था। लेकिन वाइटली यह मुकाबला हार गए। ओहायो में भी ट्रंप ने विवेक रामास्वामी के लिए रास्ता लगभग साफ कर दिया था। अमेरिका के कई हिस्सों से आए ऐसे ही चौंकाने वाले नतीजों के लिए ट्रंप ने ईरान युद्ध को भी जिम्मेदार मानने से इंकार किया है। जबकि इसी युद्ध के बाद से ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग में सबसे बड़ी गिरावट आई है। अमेरिकी अखबार है, नाम है वॉल स्ट्रीट जनरल। से बातचीत में डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि नतीजे खराब आने की वजहों में युद्ध महज एक छोटा हिस्सा है। उन्होंने बढ़ती कीमतों के लिए जिम्मेदार अपनी टेरिफ नीति को भी मानने से इंकार किया। जब बल्कि नतीजों के बाद भी उन्होंने यही कहा कि उनकी सरकार का एजेंडा पहले की तरह ही आगे बढ़ता रहेगा। तो क्या ऐसे में यह मान लिया जाए कि मिड टर्म चुनाव में हार के बावजूद डॉनल्ड ट्रंप ने अभी कोई सबक नहीं सीखा है। भारत के लिए सबसे बड़ा लाभ कम कच्चे तेल की कीमतों के रूप में सामने आ सकता है। इससे आयात बिल घटेगा, रुपये पर दबाव कम होगा और महंगाई को नियंत्रण में रखने में मदद मिलेगी। साथ ही कमजोर डॉलर और नरम ट्रेजरी यील्ड विदेशी निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ा सकते है, जिससे भारतीय बाजारों में निवेश प्रवाह को समर्थन मिल सकता है। विधायी व्यवस्था के अनुसार, राष्ट्रपति का वीटो पूरी तरह से अंतिम नहीं होता। अगर अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनो हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोबारा दो–तिहाई बहुमत से उस विधेयक को पारित कर देते है तो राष्ट्रपति का वीटो बेअसर हो जाता है और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बिना भी विधेयक कानून बन जाता है। हकीम जेफ्रीज ने हाउस के शुरुआती 100 घंटों में आम लोगों के खर्च का बोझ कम करने के लिए बड़ा कानूनी कदम उठाने का वादा किया है। उनकी प्राथमिकताओं में एक्सपायर हो चुकी अफोर्डेबल केयर एक्ट की हेल्थ इंश्योरेंस सब्सिडी बहाल करना, ट्रंप के कार्यकाल में मेडिकेड में की गई करीब 1 ट्रिलियन डॉलर की कटौती वापस लेना और टैरिफ हटाना शामिल है।

दंतेवाड़ा के सुदूर श्लावाय गाँव में पहली बार गूंजी टीवी की आवाज

धनंजय

छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के धुर नक्सल प्रभावित और दुर्गम इलाकों में विकास का पहिया अब तेजी से घूमने लगा है। इसी कड़ी में दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले एक अत्यंत सुदूर और दुर्गम पहाड़ी गाँव श्लावाश में जिला प्रशासन के सहयोग से क्रेडा (क्रेडा) विभाग द्वारा श्कम्युनिटी सोलर टीवीश (सामुदायिक सौर टीवी) की स्थापना की गई है। महज 21 परिवारों की आबादी वाले इस छोटे से आदिवासी गाँव के लिए यह किसी ऐतिहासिक क्रांति से कम नहीं है, क्योंकि यहाँ के ग्रामीणों ने अपने जीवन में पहली बार गाँव के भीतर ही टेलीविजन स्क्रीन देखी है। बस्तर के दूरदराज गाँवों तक विकास और खुशहाली पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अभूतपूर्व पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर के हमारे दूरदराज और अंतिम छोर पर बसे गाँवों तक विकास, शिक्षा, और आधुनिक तकनीक की रोशनी पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दंतेवाड़ा के सुदूर लावा गाँव में सामुदायिक सोलर टीवी की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि विकास अब नक्सलवाद के अंधेरे को पीछे छोड़कर हर आदिवासी भाई–बहन के जीवन तक पहुँच रहा है। जब इन सुदूर इलाकों के बच्चे और ग्रामीण पहली बार टीवी स्क्रीन पर देश–दुनिया की खबरें और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम देखेंगे, तो उनके सपनों को एक नई उड़ान मिलेगी। हमारी सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैलाडीला की ऊँची पहाड़ियों के पीछे और घने जंगलों के बीच बसा लावा गाँव भौगोलिक रूप से बेहद अलग–थलग है। किरंदुल के मुख्य लौह–अयस्क खनन क्षेत्र से करीब 8 किलोमीटर दूर स्थित इस गाँव तक पहुँचने के लिए आज भी कोई पक्की सड़क नहीं है। यहाँ के ग्रामीणों को अपनी बुनियादी जरूरतों, जैसे राशन दुकान से चावल लाने के लिए आज भी पहाड़ी और पथरीले रास्तों से होकर मीलों पैदल सफर तय करना पड़ता है। लावा और इसके आसपास का पुरेंगल क्षेत्र दशकों तक घोर नक्सल प्रभावित इलाका रहा है। घने जंगलों और दुर्गम रास्तों का फायदा उठाकर नक्सलियों ने इस क्षेत्र को अपना गढ़ बना रखा था, जिसके कारण कई सालों तक यहाँ न तो कोई प्रशासनिक अधिकारी पहुँच पाता था और न ही कोई जनप्रतिनिधि। सुरक्षा कारणों से यह गाँव पूरी तरह से आधुनिक दुनिया से कटा हुआ था और यहाँ बुनियादी सुविधाओं का पहुँचना एक सपना बना हुआ था। सुरक्षा बलों का प्रयास और बदला परिदृश्य सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन्स और मुस्तैदी के बाद अब इस क्षेत्र में नक्सलवाद का प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। जहाँ कभी दहशत का माहौल था, वहाँ अब बदलाव की बयार बह रही है। हाल के दिनों में जिला कलेक्टर और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने खुद इस गाँव का दौरा कर ग्रामीणों की चौपाल ली। सुरक्षा और विश्वास के इसी माहौल का नतीजा है कि आज प्रशासन सीधे ग्रामीणों के दरवाजे तक विकास योजनाएँ पहुँचा रहा है। कम्युनिटी सोलर टीवी से बदलेगी तस्वीर चूँकि यह गाँव पारंपरिक बिजली ग्रिड से काफी दूर है, इसलिए जिला प्रशासन और क्रेडा (छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण) ने यहाँ सौर ऊर्जा का सहारा लिया। गाँव में लगाए गए इस कम्युनिटी सोलर टीवी के जरिए अब निम्नलिखित बदलाव देखने को मिलेंगेरू आधुनिक दुनिया और सूचनाओं से जुड़ाव दुर्गम पहाड़ी गाँव श्लावाश में टीवी के माध्यम से अब गांव के लोग छत्तीसगढ़, भारत और पूरी दुनिया में हो रही गतिविधियों और खबरों से सीधे जुड़ सकेंगे। इससे ग्रामीणों को सरकार की नई योजनाओं, कृषि तकनीकों और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के बारे में आसानी से पता चल सकेगा। गांव के बच्चों को अब टीवी के माध्यम से मनोरंजन के साथ पढ़ाई, ज्ञानवर्धक और शिक्षाप्रद कार्यक्रम देखने को मिलेंगे, जिससे उनकी समझ और सामान्य ज्ञान बढ़ेगा। सुदूर क्षेत्र में रहने वाले इन बच्चों के लिए स्क्रीन पर देखकर सीखना एक नया और प्रभावी अनुभव होगा। कम्युनिटी टीवी होने के कारण गांव के सभी 21 परिवार एक जगह इकत्रा होकर कार्यक्रम देख सकेंगे। इससे ग्रामीणों के बीच आपसी जुड़ाव और बढ़ेगा। दिनभर खेती और वनोपज इकत्रा करने की कड़ी मेहनत के बाद, शाम को मनोरंजन के साधन मिलने से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। चूंकि यह इलाका बेहद सुदूर और बिजली की पारंपरिक लाइनों से दूर है, इसलिए सोलर पैनल आधारित टीवी पूरी तरह से आत्मनिर्भर और पर्यावरण के अनुकूल है, जिससे बिना बिजली कटौती की चिंता अपना कामकाज कर सकते हैं। दशकों के अंधेरे और नक्सली खौफ को पीछे छोड़कर लावा गाँव अब सौर ऊर्जा की रोशनी और सूचना तंत्र के जरिए एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। जिला प्रशासन का यह प्रयास साबित करता है कि सरकार की नजरें बस्तर के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति पर भी हैं।

पीएम-सेतुरु भारत के आईटीआई में बदलाव का एक वर्ष

पीएम–सेतु का उद्देश्य हब–एंड–स्पोक मॉडल और उद्योग–अनुरूप प्रशिक्षण के माध्यम से 1,000 सरकारी आईटीआई का अत्याधुनिकरण करना है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्रों के माध्यम से पांच राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता बढ़ाने का भी प्रावधान है। रणनीतिक निवेश योजनाओं, विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) और एंकर इंडस्ट्री पार्टनर्स के माध्यम से उद्योग की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इस योजना में उभरती प्रौद्योगिकियों और व्यवसायों से संबंधित नए दौर के पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। चयनित एनएसटीआई में उन्नत कौशल प्रशिक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां भी सहयोग प्रदान कर रही हैं। राज्य स्तरीय संचालन समितियों और उद्योग की भागीदारी के माध्यम से राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके कार्यान्वयन का भी विस्तार किया गया है। एक वर्ष की प्रगति के तहत 850 आईटीआई की पहचान और 14 आईटीआई क्लस्टरों को मंजूरी शामिल है। प्रस्तावित कौशल प्रयोगशालाएं छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव के अवसरों को और बढ़ाएंगी। कुशल कार्यबल के लिए आईटीआई में बदलाव भारत के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) देश के व्यावसायिक प्रशिक्षण तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये युवाओं को रोजगार और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक कौशल प्रदान करते हैं। जैसे–जैसे कार्यबल की आवश्यकताएं बदल रही हैं, वैसे–वैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और उद्योगोन्मुखी स्वरूप को मजबूत करना अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इसी पृष्ठभूमि में, पीएम–सेतु (प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई) को 4 अक्टूबर 2025 को शुरू किया गया। यह योजना सरकारी आईटीआई को आधुनिक और उद्योग–अनुरूप प्रशिक्षण संस्थानों में परिवर्तित करके व्यावसायिक प्रशिक्षण की समग्र गुणवत्ता और प्रासंगिकता को बढ़ाती है। इस पहल का उद्देश्य उद्योग–नेतृत्व वाले शासन को मजबूत करना, प्रशिक्षण अवसंरचना का उन्नयन करना और कार्यबल की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप मांग–आधारित पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है। योजना का कुल परिव्यय ?60,000 करोड़ है, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 30,000 करोड़ रुपये, राज्यों की ओर से 20,000 करोड़ रुपये और उद्योग की ओर से 10,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह योजना 4 अक्टूबर 2026 को एक वर्ष पूरा कर रही है। आईटीआईरू कुशल कार्यबल की नींव तैयार करना आईटीआई युवाओं को रोजगार और उद्योग के लिए व्यावहारिक कौशल से लैस करने हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत सरकारी और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से इंजीनियरिंग और गैर–इंजीनियरिंग ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जाता है। ट्रेड के आधार पर पाठ्यक्रम की अवधि छह महीने से दो वर्ष तक होती है। प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) राष्ट्रीय स्तर पर व्यावसायिक प्रशिक्षण के विकास और समन्वय के लिए जिम्मेदार शीर्ष संगठन है। इसके कार्यों में नीतियों, मानदंडों और मानकों का निर्धारण, पाठ्यक्रम विकास, संबद्धता, अनुदेशक प्रशिक्षण और ट्रेड परीक्षण शामिल हैं। आईटीआई राज्य सरकारों और केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों के प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण के अधीन हैं। देश में सरकारी और निजी आईटीआई सहित आईटीआई की कुल संख्या 2014 में 9,776 से बढ़कर 2026 में 13,888 हो गई है, जो 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इसके अलावा, देशभर के आईटीआई में नामांकन शैक्षणिक सत्र 2014दृ15 में 9.51 लाख से बढ़कर शैक्षणिक सत्र 2025दृ26 में 14.70 लाख हो गया है, जो 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। विस्तारित होता यह नेटवर्क व्यावसायिक प्रशिक्षण को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में कौशल की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप इसे ढालने के लिए एक व्यापक संस्थागत आधार प्रदान करता है। पीएम–सेतु किस प्रकार आईटीआई में बदलाव ला रहा है पीएम–सेतु बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, उद्योग की भागीदारी और नए दौर के प्रशिक्षण को एक साथ लाकर व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करता है। यह परिवर्तन दो अलग–अलग घटकों पर आधारित है, जिसमें पहला घटक सरकारी आईटीआई पर और दूसरा राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) पर केन्द्रित है। घटक–1 में 1,000 सरकारी आईटीआई शामिल हैं, जिनमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई हैं। इन संस्थानों का आधुनिक बुनियादी ढांचे और उद्योग–अनुरूप प्रशिक्षण के साथ हब–एंड–स्पोक मॉडल के माध्यम से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्रत्येक हब औसतन चार स्पोक से जुड़ा है, जिससे उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक ट्रेडों, डिजिटल शिक्षण प्रणालियों और इनक्यूबेशन सुविधाओं तक साझा पहुंच संभव हो रही है। हब में नवाचार केन्द्र, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए बुनियादी ढांचा, उत्पादन इकाइयां और प्लेसमेंट सेवाओं जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। स्पोक प्रशिक्षण तक पहुंच का विस्तार करते हैं और शिक्षार्थियों को अपने–अपने क्लस्टरों में उपलब्ध संसाधनों से जोड़ते हैं। यह मॉडल स्मार्ट कक्षाओं, आधुनिक प्रयोगशालाओं, डिजिटल सामग्री और उद्योग–अनुरूप पाठ्यक्रमों के माध्यम से आईटीआई के उन्नयन में सहायता कर रहा है। घटक–2 भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद, कानपुर और लुधियाना में स्थित 5 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता बढ़ाने पर केन्द्रित है। इसमें क्षेत्र–विशिष्ट राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से प्रशिक्षकों का उन्नत प्रशिक्षण शामिल है। पीएम–सेतु का कार्यान्वयनरू राज्य, उद्योग और केन्द्र के बीच समन्वय संबंधित राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश उद्योग के परामर्श से पीएम–सेतु के तहत आईटीआई के चयन का नेतृत्व करते हैं। वे उद्योग साझेदारों के सहयोग से आईटीआई के उन्नयन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं। इस प्रक्रिया में उभरती कौशल आवश्यकताओं और संबंधित क्षेत्रों की औद्योगिक क्षमता को ध्यान में रखा जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने सचिव, एमएसडीई की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) का गठन किया है, जो योजना के लिए समग्र दिशा

आनन्द नगर स्टेशन पर शिविर में 49 पेंशनभोगियों के बने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल की ओर से सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की सुविधा के लिए चलाए जा रहे डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान के तहत आनन्द नगर स्टेशन पर विशेष शिविर लगाया गया। स्टेशन के उच्च श्रेणी यात्री प्रतीक्षालय में आयोजित इस शिविर में 49 पेंशनभोगियों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाए गए। इस पहल से वरिष्ठ और बुजुर्ग पेंशनभोगियों को बड़ी राहत मिली।मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता के निर्देशन में आयोजित शिविर में पेंशनभोगियों को एक ही स्थान पर जीवन प्रमाण पत्र बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इससे उन्हें प्रमाण पत्र जमा करने के लिए अलग–अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। खासकर बुजुर्ग और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले पेंशनभोगियों को इस सुविधा से समय, श्रम और धन की बचत हुई।विर में पेंशनभोगियों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र की उपयोगिता और इसे बनवाने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। उन्हें मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से पंजीकरण कर स्वयं डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र प्राप्त करने का तरीका समझाया गया, ताकि भविष्य में भी वे इस सुविधा का लाभ आसानी से उठा सकें।डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र के माध्यम से पेंशनभोगी अपनी पेंशन निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए आवश्यक जीवन प्रमाण संबंधी औपचारिकताएं सरलता से पूरी कर सकते हैं। मंडल प्रशासन की ओर से बताया गया कि सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को तकनीक आधारित सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए इस तरह के शिविर लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।



बाराबंकी में एलपीजी टैंकर से कार की जोरदार टक्कर, एक ही परिवार के सात लोग घायल, हालत नाजुक

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ–बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर मसौली थाना क्षेत्र के नयागांव स्थित सीएनजी पेट्रोल पंप के पास शनिवार सुबह ओवरटेक करने के प्रयास में कार सामने से आ रहे एलपीजी टैंकर से टकरा गई। भीषण हादसे में कार सवार एक ही परिवार के सात लोग घायल हो गए। इनमें दो महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। लखनऊ के बंगला बाजार निवासी गंगाराम का परिवार दीपावली मनाने कार से गोंडा जा रहा था। कार में परिवार के सात सदस्य सवार थे। नयागांव के पास चालक आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने लगा। इसी दौरान सामने से बहराइच की ओर जा रहे खाली एलपीजी टैंकर से कार की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों और मसौली पुलिस ने कार में फंसे घायलों को बाहर निकलवाया। सभी को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की पहचान शकुंतला देवी (75), सुधीर वर्मा (53), कंचन लता (50), रंजना वर्मा (45), सोना (6), हार्दिक वर्मा (12) और मनीषा वर्मा (9) के रूप में हुई। परिवार के बड़े बेटे लवकुश वर्मा ने बताया कि सभी दीपावली मनाने गोंडा जा रहे थे। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. जेपी मौर्य ने बताया कि सभी घायलों का उपचार किया जा रहा है। कुछ की हालत गंभीर है।



कार-बाइकों से लेकर कपड़ा बाजार तक पर धनवर्षा



लखनऊ, (संवाददाता)। धनतेरस पर कार बाजार में जबरदस्त तेजी दिखी। शनिवार को करीब 550 करोड़ रुपये का अनुमानित कारोबार रहा। इसके अलावा बाइक का कारोबार करीब 100 करोड़ रुपये का हुआ। कपड़ा बाजार में 250 करोड़ और मिठाई–बेकरी के कारोबार में भी करीब 300 करोड़ रुपये की बिक्री का अनुमान है। इलेक्ट्रॉनिक सामान में 150 करोड़ और मोबाइल–लैपटॉप में 100 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। बर्तन, फर्नीचर, गिफ्ट आइटम, पूजा सामग्री, इलेक्ट्रिक लाइट और ड्राईफ्रूट की दुकानों पर भी ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की। पहले से बुकिंग कराने वाले ग्राहक धनतेरस पर परिवार के साथ शोरूम पहुंचे और नई गाड़ियों की डिलीवरी ली। कारों में एसयूवी और मिड–साइज कारों का क्रेज रहा। 12 से 14 लाख रुपये के बजट वाली कारें सबसे अधिक बिकीं। हुंडई समेत विभिन्न कंपनियों के शोरूम में रात तक ग्राहकों की आवाजाही रही। इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में भी जमकर खरीदारी हुई। एलईडी और स्मार्ट टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, एयर प्यूरीफायर और दूसरे घरेलू उपकरणों की मांग रही। कंपनियों के एक्सचेंज ऑफर, कैशबैक और आसान किस्तों ने ग्राहकों को आकर्षित किया। स्मार्ट फीचर और कम बिजली खपत वाले उपकरणों को प्राथमिकता मिली। मोबाइल और अन्य गैजेट की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही रही। धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा ने बाजार में रौनक बढ़ाई। स्टील के डिनर सेट, कुकर, कड़ाही, तांबे और पीतल के बर्तन खूब पसंद किए गए। पूजा के लिए कलश, थाली, दीपक, लोटे और कटोरियों की भी बिक्री हुई।

महिला कल्याण संगठन ने क्रेच कर्मचारियों और महिला रेलकर्मियों के साथ बांटी दीपावली की खुशियां

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल महिला कल्याण संगठन ने दीपावली के अवसर पर रेल परिवार के सदस्यों के साथ खुशियां साझा करते हुए क्रेच कर्मचारियों और महिला रेलकर्मियों को उपहार भेंट किए। संगठन की अध्यक्षा श्रुति गुप्ता ने विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर कर्मचारियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और उनके कार्यों की सराहना की।इस अवसर पर श्रुति गुप्ता ने सबसे पहले मंगल कार्यालय स्थित क्रेच का भ्रमण किया। उन्होंने वहां कार्यरत कर्मचारियों को दीपावली के उपहार प्रदान किए। उन्होंने कहा कि बच्चों की देखभाल और उन्हें सुरक्षित एवं स्नेहपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने में क्रेच कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी सेवाओं से रेलकर्मियों के परिवारों को बड़ी सहायता मिलती है।इसके बाद संगठन की उपाध्यक्षा मानसी सिंह, सचिव स्मृति सचान और अन्य सदस्यों के साथ उन्होंने लखनऊ सिटी स्टेशन का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि इस स्टेशन का संचालन पूरी तरह महिला कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। संगठन की पदाधिकारियों ने यहां कार्यरत महिला रेलकर्मियों से बातचीत की और उन्हें दीपावली के उपहार भेंट कर त्योहार की बधाई दी।श्रुति गुप्ता ने महिला रेलकर्मियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि रेलवे जैसे महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण कार्यक्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, कार्यकुशलता और समर्पण सराहनीय है। लखनऊ सिटी स्टेशन का पूरी तरह महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित होना महिला सशक्तीकरण, आत्मनिर्भरता और कार्यक्षमता का प्रेरक उदाहरण है। इस दौरान संगठन की अन्य सदस्यों ने भी महिला रेलकर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दीपावली के इस आयोजन से रेल परिवार के सदस्यों के बीच आपसी सौहार्द, अपनत्व और आत्मीयता की भावना को मजबूती मिली।



संक्षिप्त खबरें

नाबालिग बालिकाओं से लैंगिक अपराध के दोषी को 20 साल का कठोर कारावास

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते नाबालिग बालिकाओं के साथ लैंगिक अपराध के मामले में अभियुक्त मनोज कुमार मौर्य को अदालत ने 20 वर्ष के कठोर कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम–तृतीय की अदालत ने पांच नवंबर 2026 को यह फैसला सुनाया। यह कार्रवाई गंभीर अपराधों में दोषियों को सजा दिलाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत की गई।पुलिस के अनुसार, 13 अक्टूबर 2021 को पीड़ित बालिकाओं की मां ने थाना नाका हिण्डोला में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में अपनी छह और पांच वर्ष की दो नाबालिग पुत्रियों के साथ अभियुक्त द्वारा यौन प्रकृति की अनुचित हरकतें किए जाने का आरोप लगाया गया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। इस मामले में थाना नाका हिण्डोला में मुकदमा संख्या 139ध्2021 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 376 और पॉक्सो अधिनियम की धारा 5ध्6 में अभियोग पंजीकृत किया गया था। पुलिस ने विवेचना पूरी करने के बाद 17 नवंबर 2021 को अभियुक्त के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। इसके बाद न्यायालय में अभियोजन पक्ष की ओर से लगातार प्रभावी पैरवी की गई, जिसके परिणामस्वरूप अभियुक्त को दोषसिद्ध करार दिया गया।पुलिस आयुक्त तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार के निर्देशन में इस मामले की पैरवी की गई।

ग्रीन गैस के नाम पर फर्जी एपीके फाइल भेजकर 32 लाख की साइबर ठगी

लखनऊ, (संवाददाता)। ग्रीन गैस का मीटर अपडेट करने के नाम पर व्हाट्सएप के जरिए फर्जी एपीके फाइल भेजकर करीब 32 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के एक आरोपी को लखनऊ साइबर क्राइम पुलिस ने झारखंड के धनबाद से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक लाख 23 हजार 400 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन, छह एटीएम कार्ड, एयरटेल पेमेंट बैंक की चार किट और 11 सिम कार्ड बरामद किए हैं।पुलिस के मुताबिक, नौ सितंबर 2026 को पीड़ित कुमुद चन्द्र अग्रवाल ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि अज्ञात साइबर अपराधियों ने ग्रीन गैस का मीटर अपडेट करने के नाम पर उनके व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजी थी। फाइल डाउनलोड करते ही साइबर अपराधियों ने उनके मोबाइल फोन तक अनधिकृत पहुंच बना ली और बैंकिंग संबंधी जानकारी का दुरुपयोग कर उनके खाते से करीब 32 लाख रुपये निकाल लिए। इस मामले में साइबर क्राइम थाने में मुकदमा संख्या 109ध्2026 दर्ज किया गया था।घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय, पुलिस उपायुक्त अपराध, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध और सहायक पुलिस आयुक्त साइबर क्राइम के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम गठित की गई। साइबर क्राइम थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम ने सूचना तंत्र और तकनीकी संसाधनों की मदद से जांच आगे बढ़ाई। इसी क्रम में घटना में संलिप्त बताए गए विवेक प्रताप सिंह को धनबाद जिले के धनबाद थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त खबरें

चेक बाउंस के मामले में जारी गैर जमानती वारंट पर ठेकेदार गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। कमिश्नरेट पुलिस की ओर से वांछित अभियुक्तों और न्यायालय से जारी वारंटों पर कार्रवाई के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जानकीपुरम पुलिस ने चेक बाउंस के एक मामले में लंबे समय से वारंट का सामना कर रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को पांच नवंबर की रात करीब 9:40 बजे उसके आवास से पकड़ा। उसके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार, अतिरिक्त न्यायालय कक्ष संख्या–चार, लखनऊ के पीठासीन अधिकारी की अदालत से जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर यह कार्रवाई की गई। मामला केस संख्या 1409/12 और परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 से संबंधित है, जो गुडंबा थाने में दर्ज है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान आनन्द प्रकाश (44) पुत्र सूर्य प्रकाश द्विवेदी के रूप में हुई है। वह जानकीपुरम थाना क्षेत्र की जानकी विहार कॉलोनी में सी–166, सेक्टर–आई के निकट प्रभात चौराहे के पीछे रहता है और ठेकेदारी का काम करता है।पुलिस आयुक्त के निर्देश पर चल रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त उत्तरी के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी और सहायक पुलिस आयुक्त के निर्देशन में जानकीपुरम पुलिस टीम ने वारंटी की गिरफ्तारी की। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विकास सिंह, मुख्य आरक्षी मनोज कुमार और आरक्षी अनुराग राजपूत शामिल रहे।

नाबालिग बालिका को परेशान करने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के आरोप में वांछित आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। गुडम्बा पुलिस ने नाबालिग बालिका को परेशान करने, अशोभनीय टिप्पणियां करने और फोटो–वीडियो के जरिए कथित रूप से ब्लैकमेल कर धर्म परिवर्तन तथा विवाह के लिए दबाव बनाने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान मो. सईद उर्फ चिड्डा (33) निवासी ग्राम राजौली, थाना गुडम्बा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे शुक्रवार को राजौली पुलिया के पास से मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया।पुलिस के मुताबिक, इस मामले में 25 जून 2026 को पीड़िता की मां की तहरीर पर गुडम्बा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपियों ने स्कूल आने–जाने के दौरान नाबालिग बालिका को परेशान किया, उस पर अशोभनीय टिप्पणियां कीं और डराया–धमकाया। विवेचना के दौरान पीड़िता के बयानों में फोटो और वीडियो के माध्यम से ब्लैकमेल करने के साथ ही हिन्दू धर्म छोड़कर मुस्लिम धर्म अपनाने और विवाह करने का दबाव बनाने की बात भी सामने आई। इसके बाद पुलिस ने मुकदमे में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3 और 5(1) की बढ़ोतरी की।पुलिस के अनुसार, मामले में शामिल एक बाल अपचारी को पहले ही न्यायिक संरक्षण में भेजा जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी। उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर वांछित मो. सईद उर्फ चिड्डा की गिरफ्तारी के लिए उपनिरीक्षक शान्तनु बालियान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने अपना पक्ष अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में रखने की बात कही है। पुलिस अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है।

'शुद्ध ही शुभ है' अभियान का असर, कमियां दूर करने पर 86 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस बहाल

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के तहत कार्रवाई के साथ सुधार को भी प्राथमिकता दी जा रही है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिन 112 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए थे, उनमें से 86 के लाइसेंस कमियां दूर किए जाने और विभागीय जांच में मानकों का पालन पाए जाने के बाद बहाल कर दिए हैं। विभाग का कहना है कि अभियान का उद्देश्य कारोबारियों का उत्पीड़न करना या उनका व्यवसाय बंद कराना नहीं, बल्कि उन्हें खाद्य सुरक्षा के निर्धारित नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना है।17 सितंबर से शुरू हुए इस अभियान के तहत पांच नवंबर तक प्रदेशभर में 3035 निरीक्षण किए गए। इस दौरान 112 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए, जबकि सुधार योग्य कमियां मिलने पर 1752 सुधार सूचना नोटिस जारी किए गए। विभागीय निर्देशों के अनुरूप कमियां दूर करने वाले 86 प्रतिष्ठानों को दोबारा कारोबार शुरू करने की अनुमति दे दी गई। लखनऊ में बीकानेरवाला, चंपारण, मोतीमहल डीलक्स, क्लब जलवा और रेबेल फूड सहित कई प्रतिष्ठानों ने अपनी कार्यप्रणाली में सुधार कर लाइसेंस बहाल कराए हैं।अभियान के दौरान खाद्य कारोबारियों को निर्माण, भंडारण और बिक्री की पूरी प्रक्रिया में स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। प्रतिष्ठानों में साफ–सफाई, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, कच्चे माल की गुणवत्ता, उत्पादन प्रक्रिया की स्वच्छता तथा खाद्य योजकों के निर्धारित मात्रा में इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया गया। विभाग कारोबारियों को कमियां दूर कर उपभोक्ताओं तक सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री पहुंचाने के लिए प्रेरित कर रहा है।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की सचिव एवं आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने कहा कि अभियान का मकसद खाद्य कारोबारियों का उत्पीड़न करना नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराना है। कमियां दूर करने के बाद 86 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस बहाल होना इस बात का प्रमाण है कि कारोबारी सुधार के लिए आगे आए हैं। हालांकि, जानबूझकर मिलावट करने, प्रतिबंधित रसायनों का इस्तेमाल करने और लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

विद्या ज्ञान और अमेनिटी पब्लिक स्कूल बने फुटबॉल चैंपियन

लखनऊ, (संवाददाता)। बालिका वर्ग में विद्या ज्ञान स्कूल सीतापुर और बालक वर्ग में अमेनिटी पब्लिक स्कूल उत्तराखंड ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट कॉनकार्ड–2026 का खिताब जीता। सिटी मांटेसरी स्कूल (सीएमएस) स्टेशन रोड कैंपस की ओर से आयोजित पांच दिवसीय टूर्नामेंट का समापन शनिवार को हुआ। सीएमएस जय जगत स्टेडियम में खेले गए बालिका वर्ग के फाइनल में विद्या ज्ञान स्कूल ने सीएमएस को 3–0 से हराया। विजेता टीम की ओर से एकता, नव्या और सोनम ने एक–एक गोल किया। शानदार प्रदर्शन के लिए विद्या ज्ञान स्कूल की नव्या को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं चौक स्टेडियम में बालक वर्ग का फाइनल अमेनिटी पब्लिक स्कूल उत्तराखंड और मूनलाइट स्कूल नेपाल के बीच खेला गया। इसमें अमेनिटी पब्लिक स्कूल ने 2–1 से जीत दर्ज की। विजेता टीम की ओर से फहीम और लक्ष्य ने गोल किए जबकि नेपाल की ओर से संदीप ने एकमात्र गोल किया। फहीम को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले खेले गए बालक वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में मूनलाइट स्कूल नेपाल ने सीएमएस को पेनाल्टी शूटआउट में 4–1 से हराया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकी थीं। दूसरे सेमीफाइनल में अमेनिटी पब्लिक स्कूल ने तक्षशिला एकेडमी अंबेडकरनगर को 2–1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट में ओमान, नेपाल और देश के विभिन्न राज्यों के विद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर और सर्वोच्च स्कोरर सहित विभिन्न श्रेणियों में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट की संयोजिका और सीएमएस स्टेशन रोड कैंपस की प्रधानाचार्या जुनू ठाकुर बिष्ट ने विजेताओं को बधाई दी।



हाईवे पर निराश्रित गोवंश मिला तो संबंधित सीवीओ पर होगी कड़ी कार्रवाई - धर्मपाल सिंह

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख सड़कों पर निराश्रित गोवंश घूमते हुए मिलने पर संबंधित जिले के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। ऐसे मामलों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम भी विभाग की प्राथमिकता है। गोवंश संरक्षण के कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा के अवसर पर प्रदेश की सभी गौशालाओं में भव्य आयोजन किए जाएं। इन कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए। गौशालाओं में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के साथ गोवंश की समुचित देखभाल और सेवा की व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर गोवंश को गुड़ और हरा चारा खिलाया जाए। आयोजनों की निगरानी संबंधित मंडलीय अपर निदेशक और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी करेंगे।मंत्री ने प्रदेश में दुग्ध समितियों के गठन में तेजी लाने पर जोर देते हुए कहा कि इनके माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को संगठित बाजार उपलब्ध होगा और उनकी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने पराग ब्रांड के उत्पादों की प्रभावी बिक्री और प्रचार–प्रसार के निर्देश देते हुए कहा कि दीपावली के अवसर पर उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और शुद्ध पराग उत्पाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए जाएं। इसके लिए विपणन और वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए।

महिला से चेन लूटने वाला 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। गाजीपुर क्षेत्र में महिला को स्कूटी से गिराकर सोने की चेन लूटने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त हैदर अली को गिरफ्तार किया है। क्राइम टीम पूर्वी जोन और गाजीपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पकड़े गए आरोपी के कब्जे से लूटी गई पीली धातु की चेन और वारदात में इस्तेमाल पल्सर एनएस–200 मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक, मोटरसाइकिल पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। इस घटना में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।पुलिस के अनुसार, 17 अक्टूबर 2026 की रात करीब 9रू40 बजे अंजनी सिंह अपनी पुत्री के साथ स्कूटी से राम मनोहर लोहिया अस्पताल से घर लौट रही थीं। सुषमा अस्पताल के पास लेखराज सर्विस लेन पर मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे वह गिर गईं। इसके बाद बदमाश उनके गले से सोने की चेन छीनकर भाग निकले। अंजनी सिंह की शिकायत पर गाजीपुर थाने में मुकदमा संख्या 380ध्2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 304(2) में दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और खुलासे के लिए पुलिस टीमों को लगाया। क्राइम टीम पूर्वी जोन और गाजीपुर पुलिस ने घटनास्थल तथा आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। संदिग्धों से पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे थे। इसी दौरान छह नवंबर को संयुक्त पुलिस टीम सुषमा तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि वारदात में शामिल हैदर अली पिंक बूथ पॉलीटेक्निक के पास सार्वजनिक शौचालय के निकट मोटरसाइकिल के साथ मौजूद है।

दीपावली और छठ पूजा पर मेडिकल कॉलेज रहेंगे अलर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। दीपावली और छठ पूजा के दौरान आमजन की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। त्योहारों के दौरान आगजनी, सड़क दुर्घटनाओं, जलने की घटनाओं और अन्य आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रदेश के सभी राजकीय एवं स्वशासी मेडिकल कॉलेजों और उनसे संबद्ध अस्पतालों को सतर्क रहने को कहा गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि आपात स्थिति में किसी भी मरीज को उपचार के लिए भटकना न पड़े और उसे तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण नेहा शर्मा ने इस संबंध में सभी मेडिकल कॉलेजों को विस्तृत दिशा–निर्देश जारी किए हैं। इनमें चिकित्सकों और अन्य कर्मचारियों की उपलब्धता, आवश्यक दवाओं, जीवनरक्षक उपकरणों और आपातकालीन व्यवस्थाओं को पूरी तरह दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं।सभी मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध अस्पतालों में आपातकालीन विभाग, दुर्घटना उपचार केंद्र, गहन चिकित्सा इकाई, जले हुए मरीजों के उपचार की इकाई, शल्य चिकित्सा और ऑपरेशन थिएटर सहित जीवनरक्षक सेवाएं चौबीसों घंटे चालू रहेंगी। आपात स्थिति में पहुंचने वाले मरीजों का तत्काल परीक्षण कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। मरीजों की गंभीरता के अनुसार उपचार की प्राथमिकता तय करने के साथ अतिरिक्त बिस्तरों और चिकित्सा संसाधनों की व्यवस्था भी रखी जाएगी।त्योहारों के दौरान चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों, तकनीशियनों और अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी का रोस्टर तैयार किया जाएगा। आपातकालीन विभाग, दुर्घटना उपचार केंद्र, गहन चिकित्सा इकाई, बर्न यूनिट, शल्य चिकित्सा, हड्डी रोग, मेडिसिन और रेडियोलॉजी विभागों में कर्मचारियों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाएगी।

साइबर ठगी के दो मामलों में गड़वार पुलिस ने वापस कराए 4773.98 रुपये

गड़वार (बलिया) थाना गड़वार पुलिस ने साइबर ठगी के दो अलग–अलग मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ितों की ठगी गई धनराशि में से कुल 4773.98 रुपये वापस कराने में सफलता हासिल की है। पुलिस की इस



कार्रवाई से पीड़ितों को राहत मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,गड़वार थाना क्षेत्र के सिकरिया कला गांव निवासी शिवानी सिंह पुत्री मनोज कुमार सिंह के यूनियन बैंक आफ इंडिया के खाते से तीन सितम्बर 2026 को तथा रतसर कला निवासी सोनू कुमार गुप्ता पुत्र रामनाथ गुप्ता के स्टेट बैंक आफ इंडिया के खाते से सात मई 2026 को साइबर ठगों ने धोखाधड़ी कर धनराशि निकाल ली थी। दोनों पीड़ितों ने इसकी शिकायत थाना गड़वार में दर्ज कराई थी।

पुलिस अधीक्षक डॉ.ईरज राजा एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) व नोडल साइबर सेल संजय वर्मा के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सतीश कुमार शर्मा के निर्देशन में थानाध्यक्ष हितेश कुमार के नेतृत्व में साइबर टीम ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। इसके परिणामस्वरूप 10 नवंबर को एमआरएम.पोर्टल के माध्यम से शिवानी सिंह के खाते में 3.774 रुपये तथा सोनू कुमार गुप्ता के खाते में 9,99.98 रुपये वापस कराए गए। धनराशि वापस मिलने पर दोनों शिकायतकर्ताओं ने बलिया पुलिस एवं थाना गड़वार पुलिस के प्रति आभार जताते हुए प्रशंसा की।

पुलिस टीम में उप निरीक्षक अब्दुल हफीज(साइबर प्रभारी),हेड कांस्टेबल भीम कुमार(कम्प्यूटर ऑपरेटर),आरक्षी विवेक कुमार यादव,आरक्षी विक्रम तिवारी, आरक्षी अभय सिंह,महिला आरक्षी जया तिवारी शामिल रहे।

आईटीसी मंगलदीप की 'हर भक्तश्री राम तक' पहल के तहत राम मंदिर में सुगम रेलिंग का उद्घाटन



ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आईटीसी मंगलदीप ने अपनी पहल 'हर भक्त श्री राम तक' के तहत अयोध्या राम मंदिर में दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं के लिए सुगम मार्ग तैयार करने की परियोजना का पहला चरण आज पूरा कर लिया, जो सभी के लिए भक्ति को सुलभ बनाने के उसके संकल्प की शुरुआत है। इस पहल के तहत मंदिर परिसर में 800 मीटर लंबाई में स्पर्श–संवेदनशील और ब्रेल–सक्षम पैनल लगाए गए हैं, जिससे दृष्टिबाधित श्रद्धालु मंदिर परिसर में अधिक आसानी और स्वतंत्रता से रास्ता पहचान सकेंगे और सम्मान के साथ दर्शन कर सकेंगे। इस उद्घाटन के लिए दीपोत्सव का पावन दिन चुना गया।

इस पहल पर बात करते हुए, रोहित डोगरा, डिविजनल सीईओ, मैचेस एंड अगरबत्ती डिविजन, आईटीसी ने कहा, मंगलदीप में हमारा मानना है कि भक्ति का अनुभव हर किसी के लिए सुलभ होना चाहिए और हर व्यक्ति को इसमें शामिल होने का अवसर मिलना चाहिए, चाहे वह दुनिया को किसी भी तरह से अनुभव करता हो। 'हर भक्त श्री राम तक' के जरिए हमने टेक्नोलॉजी और सामूहिक भागीदारी को एक सार्थक उद्देश्य से जोड़कर इसी सोच को साकार करने का प्रयास किया है। अयोध्या राम मंदिर में स्पर्श–संवेदनशील और ब्रेल–सक्षम पैनल लगना पहले चरण की पूर्णता का प्रतीक है। यह दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं के लिए दर्शन के अनुभव को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। देशभर के श्रद्धालुओं की उत्साहजनक भागीदारी दिखाती है कि आस्था किस तरह लोगों को एक साझा उद्देश्य के लिए जोड़ सकती है। हमने पहले चरण के उद्घाटन के लिए दीपोत्सव का दिन चुना और हमें गर्व है कि हम भक्ति को सभी के लिए सुलभ बनाने के इस संकल्प की शुरुआत कर रहे हैं।"

इस सोच के साथ शुरू की गई यह पहल कि भक्ति का अनुभव हर किसी के लिए सुलभ होना चाहिए, टेक्नोलॉजी और सामूहिक आस्था को एक साथ लाती है। राम सेतु से प्रेरित डिजिटल पहल के रूप में तैयार 'हर भक्त श्री राम तक' के जरिए देशभर के श्रद्धालुओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी–अपनी भाषा में 'राम' लिखने का न्योता दिया गया। हर भागीदारी अयोध्या राम मंदिर में स्पर्श–संवेदनशील और ब्रेल–सक्षम मार्ग तैयार करने की सामूहिक कोशिश में एक प्रतीकात्मक योगदान थी। इस प्रयास से देशभर के 3.45 लाख यूजर्स जुड़े और उनकी डिजिटल भागीदारी ने मंदिर परिसर में 800 मीटर के दायरे में ब्रेल–सक्षम पैनल लगाने के पहले चरण को संभव बनाने में सहयोग दिया।

मंदिर परिसर में लगाए गए ये पैनल स्पर्श और ब्रेल के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराते हैं, जिससे दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं को रास्ता पहचानने और अधिक स्वतंत्र रूप से दर्शन करने में मदद मिलेगी। मंदिर की मौजूदा व्यवस्था में सुगमता को शामिल करने की इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दृष्टिबाधित श्रद्धालु भी पूरे आत्मविश्वास और सम्मान के साथ इस पवित्र स्थल का अनुभव कर सकें। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर श्रद्धालुओं की इस सामूहिक भागीदारी को जमीनी स्तर पर आगे बढ़ाते हुए, मंगलदीप ने उद्घाटन के दिन हर डिजिटल भागीदारी के साथ सरयू घाट पर एक दीया भी प्रज्वलित किया। इस पहल के तहत 1.5 लाख दीये जलाए गए, जिससे देशभर के श्रद्धालुओं की व्यक्तिगत आस्था भक्ति के एक सामूहिक उत्सव में बदली।

'थाना सुरेरी पुलिस टीम द्वारा हत्या के प्रयास के अभियोग में वांछित 03 अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त डंडा व लोहे का सरिया बरामद

ब्यूरो चीफ

विश्व प्रकाश श्री वास्तव

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान



के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा–निर्देशन एवं सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण में थाना सुरेरी पुलिस टीम द्वारा दिनांक 10.11.2026 को मु0अ0सं0–166/2026, धारा 109(1)/352 बीएनएस से संबंधित वांछित 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जेधनिशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 01 डंडा एवं 01 लोहे का सरिया बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान मा0 न्यायालय किया गया।

'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा 04 वर्षीय गुमशुदा बच्ची को सकुशल बरामद कर परिजनों को किया गया सुपुर्द



ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 यशवीर सिंह के निर्देशन में गुमशुदा बच्चों की सकुशल बरामदगी हेतु चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह के दिशा–निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बदलापुर अजय कुमार राय के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष बदलापुर फूलचन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व में थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 04 वर्षीय गुमशुदा बच्ची को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। दिनांक 10.11.2026 को सूचना प्राप्त हुई कि बदलापुर चौराहे पर लगभग 04 वर्षीय बच्ची अपने परिजनों से बिछड़ जाने के कारण रो रही है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए चौराहे पर पिकेट ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा बच्ची को सकुशल अपनी अभिरक्षा में लेकर थाना बदलापुर लाया गया। पुलिस टीम द्वारा बच्ची के परिजनों की तलाश हेतु आसपास के क्षेत्र में पूछताछ एवं प्रचार–प्रसार कराया गया। अथक प्रयासों के बाद बच्ची के दादा अमृतलाल पुत्र रामेश्वर प्रसाद निवासी ग्राम बुढ़नेपुर, थाना खुटहन, जनपद जौनपुर से संपर्क स्थापित कर उन्हें सूचना दी गई। परिजनों के थाना पहुंचने पर आवश्यक सत्यापन एवं पहचान की कार्रवाई पूर्ण करते हुए बच्ची को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया। बच्ची के परिजनों द्वारा जौनपुर पुलिस की त्वरित कार्यवाही एवं संवेदनशीलता की सराहना करते हुए पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया गया।

विधायक वाराणसी कैंट सौरभ श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष अमेठी राजेश अग्रहरी का जौनपुर आगमन 11 नवम्बर को

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विधायक वाराणसी कैंट सौरभ श्रीवास्तव जी एवं अमेठी जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि का आगमन जौनपुर 11 नवम्बर को हो रहा हैं। यह लोग श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर द्वारा आयोजित 11 नवम्बर को भगवान चित्रगुप्त मंदिर बारीनाथ मठ उर्दू बाजार से भगवान चित्रगुप्त मंदिर रूहटा तक निकलने वाली भगवान चित्रगुप्त जी शोभायात्रा में बतौर अतिथि शामिल होंगे। उक्त आशय की जानकारी देते हुए श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर के





मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक वरिष्ठ पत्रकार ने देते हुए बताया कि दोनों नेताओं के जौनपुर आगमन पर भव्य स्वागत अभिनंदन किया जाएगा और भगवान चित्रगुप्त जी के भक्त गण से शोभायात्रा में शामिल होने का आग्रह किया।

थाना तेजीबाजार पुलिस ने हत्या के मुकदमे में वांछित दो अभियुक्तगण को किया गया गिरफ्तार



ब्यूरो चीफ

विश्व प्रकाश श्री वास्तव

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों व वॉछितध् वारण्टियों तथा शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्वेक्षण में थाना तेजीबाजार पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर हत्या की घटना के सम्बंध में पंजीकृत मु0अ0सं0 257/2026 धारा 103(1)/191(2)/ 115(2) /352 /351(3) /3(5) बी.एन.एस से सम्बंधित वांछित अभियुक्त रामसिंह चौहान उर्फ टेनी पुत्र स्व. फूलचन्द्र उर्फ फुले चौहान व .शिवा चौहान पुत्र राजकुमार चौहान निवासीगण बसरा थाना तेजीबाजार जौनपुर को आज दिनांक 10.11.2026 को कलिंजरा बाजार से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा जा रहा है।

'घटना का विवरण इस प्रकार से है कि थाना तेजीबाजार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बसरा में दिनांक 08.11.2026 को समय लगभग 20:00 बजे पुरानी रंजिश को लेकर रितेश चौहान, लालू चौहान, प्रेम चौहान उर्फ कल्लू, शिवा चौहान, शैलेश चौहान, रामसिंह उर्फ टेनी चौहान, राजकुमार चौहान की पत्नी एवं वीरे चौहान सहित 08 अभियुक्तों द्वारा एकराय होकर वादी के दरवाजे पर चढ़कर गाली–गलौज करते हुए लाठी–डंडों से रमेश यादव (40 वर्ष), मुन्नू यादव एवं प्रदीप यादव के साथ मारपीट की गई, जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार हेतु ले जाते समय रमेश यादव की मृत्यु हो गई थी।

पूर्वोत्तर रेलवे मजदूर यूनियन के अध्यक्ष केएल गुप्ता का निधन

गोरखपुर, (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे मजदूर यूनियन (नरमू) के अध्यक्ष और भारतीय रेलवे के मजदूर आंदोलन के दिग्गज नेता कन्हैया लाल गुप्ता का शुक्रवार को निधन हो गया। 110 वर्ष की उम्र में उन्होंने दोपहर 12 बजे पुर्दिलपुर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनकी अंतिम यात्रा घर से निकलकर नरमू कार्यालय होते हुए राजघाट पहुंची, जहां उनका अंतिम संस्कार हुआ। इस दौरान कर्मचारियों ने नारे लगाए। उनके निधन की खबर से रेलवे कर्मचारियों और विभिन्न श्रमिक संगठनों में शोक की लहर दौड़ गई। करीब सात दशक तक रेलकर्मियों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले गुप्ता के निधन को रेलवे मजदूर आंदोलन की बड़ी क्षति माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि पिछले एक वर्ष से अस्वस्थ चल रहे केएल गुप्ता का पार्थिव शरीर उनके आवास से अंतिम यात्रा के रूप में रेलवे मुख्यालय परिसर स्थित नरमू कार्यालय लाया गया। यहां यूनियन के पदाधिकारियों, रेलकर्मियों और शुभचिंतकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने भी श्रद्धांजलि दी। इसके बाद अंतिम यात्रा राजघाट पहुंची, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। संगठन के संयुक्त महामंत्री ओंकारनाथ सिंह ने बताया कि केएल गुप्ता ने वर्ष 2025 में नरमू के महामंत्री का पद छोड़कर अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली थी। वह ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष भी रहे। संगठन में उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रेलकर्मियों ने उन्हें लगातार अपना नेतृत्व सौंपा। उनका जीवन सादगी, संघर्ष और श्रमिक हितों के प्रति समर्पण का उदाहरण रहा। शव यात्रा में नरमू के महामंत्री बसंत लाल चतुर्वेदी, संयुक्त महामंत्री ओंकारनाथ सिंह, मंडल मंत्री संजय कुमार पांडेय और ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री शिवगोपाल मिश्र, एनई रेलवे मेंस कांग्रेस के अध्यक्ष सुभाष दुबे, एनई रेलवे मेंस कांग्रेस के जोनल अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ शाखा मंत्री सिगनल वर्कशाप नितेश शुक्ला, पीआरकेएस के महामंत्री विनोद राय समेत विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहे।

भगवान चित्रगुप्त पूजनोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा, उमड़े कायस्थ समाज के लोग

टाउन हॉल मैदान से शुरू होकर रूहट्टा स्थित चित्रगुप्त मंदिर पहुंची शोभायात्रा, आरती के बाद हुआ भंडारा



ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भगवान चित्रगुप्त पूजनोत्सव के अवसर पर मंगलवार को जौनपुर नगर में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इंद्रसेन श्रीवास्तव के नेतृत्व में निकली शोभायात्रा में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कायस्थ समाज के लोगों ने भाग लिया। शोभायात्रा नगर पालिका के टाउन हॉल मैदान से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए रूहट्टा स्थित भगवान चित्रगुप्त मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान चित्रगुप्त के जयकारे लगाए। मंदिर पहुंचने पर भगवान की आरती की गई और श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। देर शाम भंडारे का भी आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इंद्रसेन श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त समस्त समाज के आराध्य देव हैं। शोभायात्रा का उद्देश्य उनके पूजन–अर्चन के साथ ही समाज के लोगों को भगवान चित्रगुप्त के जीवन और महत्व के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस आयोजन का कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन है, जिसमें सभी लोग शामिल होकर अपने आराध्य देव की आराधना कर सकें। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, आनंद मोहन,राजेश श्रीवास्तव ,श्रीवास्तव, प्रदीप अस्थाना, प्रदीप श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव डीओ, अमित श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, राजकिशोर श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव, धीरज श्रीवास्तव, धीरेंद्र श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव ,इंजीनियर अमित श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव (पत्रकार), अंकित श्रीवास्तव, संजय अस्थाना और मयंक श्रीवास्तव देवेंद्र खरे, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जिला जेल में सलाखों के पीछे हुनर की नई पाठशाला, एक गैंगस्टर पढ़ा रही तो दूसरी संवार रही जिंदगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। जेल की ऊंची दीवारें, लोहे की सलाखें और बंद दरवाजे... आमतौर पर इनकी तस्वीर जेहन में आते ही सजा और सन्नाटे का ख्याल आता है, लेकिन जिला जेल की महिला बैरक में जिंदगी का एक अलग ही रंग दिखाई देता है। यहां कोई पढ़ना–लिखना सीख रहा है तो कोई हुनर के सहारे बाहर की दुनिया में नई शुरुआत का सपना बुन रहा है। खास बात यह है कि कभी अपने–अपने मामलों को लेकर सुर्खियों में रहीं कुछ महिला बंदियां अब दूसरी महिलाओं के लिए सीखने और आगे बढ़ने का जरिया बन रही हैं। करोड़ों की जालसाजी के मामले में बंद पीएचडी होल्डर गरिमा सिंह महिला बंदियों और उनके बच्चों को पढ़ा रही हैं। सीओ समेत पुलिसकर्मियों से वसूली के मामले में जेल में बंद अंशिका सिंह ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण दे रही हैं। वहीं, शिक्षिक की आत्महत्या के मामले में बंद निलंबित बीएसए शालिनी श्रीवास्तव महिला बंदियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दे रही हैं। जेल प्रशासन ने महिला बंदियों को रिहाई के बाद रोजगार से जोड़ने के लिए संस्थाओं के सहयोग से प्रशिक्षण शुरू कराया है। रोटरी क्लब यूथोरिया की ओर से प्रेमलता सिंह के माध्यम से ब्यूटीशियन का कोर्स कराया जा रहा है। जेल सूत्रों के मुताबिक, अंकिशा खुद भी अच्छी ब्यूटीशियन हैं। ऐसे में वह अपने अनुभव से दूसरी बंदियों को प्रशिक्षण दे रही हैं। वहीं, एसीएम सहयोगी संस्था की ओर से सिलाई–कढ़ाई सिखाई जा रही है। प्रशिक्षण लेने वाली कुछ महिलाएं अब बैरक में दूसरी बंदियों के कपड़े सिलने में सहयोग कर रही हैं। कई महिलाएं खाना बनाने में भी हाथ बंटाती हैं। महिला बैरक में बंदियों के बीच आपसी तालमेल भी खास है। तीज, होली, दिवाली और करवाचौथ जैसे त्योहार मिल–जुलकर मनाए जाते हैं। महिला बंदी रक्षक भी इस आयोजन का हिस्सा बनती हैं। धीरे–धीरे उनके बीच ऐसा अपनापन बन गया है कि त्योहारों पर बैरक का माहौल परिवार जैसा नजर आता है। जिला जेल में इस समय 73 महिला बंदी हैं। इनके साथ छह बच्चे भी रह रहे हैं। इनमें से दो बच्चे सेंट एंथोनी स्कूल में पढ़ने जाते हैं। जेल में पढ़ाई और प्रशिक्षण की गतिविधियां बंदियों के साथ रह रहे बच्चों के लिए भी सकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश हैं। महिला बंदियों को जेल से बाहर निकलने के बाद आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से ब्यूटीशियन और सिलाई–कढ़ाई का प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। पढ़ाई, प्रशिक्षण और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से उन्हें सकारात्मक माहौल देने का प्रयास है। गोरखनाथ इलाके के बसंत इनक्लेव अपार्टमेंट की आठवीं मंजिल से कूदकर पशु चिकित्सक डॉ. परमात्मा सिंह की आत्महत्या के मामले में गरिमा सिंह का नाम सामने आया था। पुलिस ने गरिमा सिंह और उनके पिता ध्रुव नारायण सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।